	Hkkjrh; 'kkL= ,oa Ñf"k ekSle foKku foHkkx tokgjyky usg: Ñf"k fo'ofo|ky;] tcyiqj df"k ekSle lykg lsok,sa **(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)**	

सलाहकार समिति के सदस्यः डॉ. पी. के. बिसेन, डी. ई. एस., मृदा एवं जल अभियॉत्रिकी विभाग – डॉ. एम. के. हरदा, सस्य विज्ञान (कें व्ही. के) – डॉ. के. के. अग्रवाल, डॉ. ए. के. नायडू, फल विज्ञान –डॉ. एस. के. पांडे, कीट विज्ञान – डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॉ. आलोक वाशनिकर, कृषि मौसम विज्ञान – डॉ. मनीष भान, पशु विज्ञान – श्री प्रमोद शर्मा

o"kZ&2018	vad&04	fnukad 13 ls 17 tuojh 2018	fnukad% 12-01-2018

¼ftyk tcyiqj ds fy, tokgjyky usg: Ñf"k fo'ofo|ky; tcyiqj ,oa ekSle dsUnz Hkksiky }kjk lEHkkfor :i ls tkjh½

vkxkeh ikap fnuks dk ekSle iwokZuqeku%&

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित मध्यम अवधी मौसम पूर्वानुमान केन्द्र को भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी दिनों में आसमान साफ रहने की सम्भावना है तथा वर्षा नहीं होने की संभावना है। हवा 4.0 से 5.0 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से विभिन्न दिशाओं से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 27.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 10.0 – 12.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

EkkSleh rRo @fnukad	13/01/2018	14/01/2018	15/01/2018	16/01/2018	17/01/2018
Ok"kkZ ¼fe-eh-½	0	0	0	0	0
vf/kdre rkieku ¼fM-l s-½	27	27	27	27	27
U;wure rkieku ¼fM-l s-½	10	10	11	12	12
Ckknyksa dh fLFkfr	साफ	साफ	साफ	साफ	साफ
vkisf{kr vknzrk ¼%½ lqcg½	65	60	58	55	53
vkisf{kr vknzrk ¼%½ 'kke½	20	18	21	18	16
gok dh xfr ¼fd-eh-@?k.Vk½	4	5	5	4	4
gok dh fn'kk	उत्तर	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	पूर्व

ekSle vk/kkfjr lkIrkfgd df"k ijke'kZ fnukad 13 ls 17 tuojh 2018

lkekU; lykg	• देर से बोई गयी रबी मौसम की विभिन्न फसलें जहॉं 20 से 30 दिन की अवधि की हो गयी है वहॉं पर नीदा नियंत्रण करें ।
xsgw	xsgw dh mUur fdLeksa dh oqvkbZ djsa%& ➢ देर से बोई गई गेहूॅ में सी. आर. आई अवस्था (बुवाई के 3–4 हफ्ते बाद) सिंचाई करें एवं इसके उपरांत यूरिया का छिड़काव करें। ➢ दिसम्बर माह के द्वितीय सप्ताह में बोई गयी गेहूॅ मुकुट जड़ निकलने की अवस्था मे है यह अवस्था नमी एवं पोषक तत्वों की क्रांतिक अवस्था है अतः किसान भाइयों को सलाह है कि नत्रजन उर्वरक की टापड्रेसिंग कर सिंचाई करें साथ ही खेतों में चौडी पत्ति के खरपतबार होने की दशा में किसान भाई बुआई के 30 से 35 दिनों के बीच टू फोर डी 600 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें एक हेक्टेयर में 500 लीटर घोल का छिड़काव करें । ➢ असिंचित दशा में जहां भूमि में पर्याप्त नमी हो वहां पर देर से बोई गेहूॅ की फसल में आवश्कतानुसार यूरिया का छिड़काव पत्तियॉ सूखी होने की अवस्था में करें।
puk	pus dh mUur fdLesa किसान भाई, चने की उन्नत किस्में कुछ इस प्रकार हैः • किसान भाई चने की फसल का निरिक्षण करे, चने की इल्ली की संख्या (दो या दो से अधिक इल्ली प्रति मीटर कतार मे) अर्थिक छति सीमा से अधिक पाए जाने पर इसके नियंत्रण हेतु क्विनालफॉस 25 ई0सी0 दवा की 2 मिली0 मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। एवं टी आकर की खूटियां (पक्षी आश्रय स्थल) लगा दें। • अक्तूबर माह में बोई फसल, फली आने की अवस्था पूर्व चने की फसल में हल्की सिंचाई करें । • तुड़ाई करें जिससे और शाखाऍ निकल सकें।
ljlks	• वर्तमान मौसम एवं फसलो की अवस्था सरसों में एफिड के प्रकोप के लिए अनूकूल है अतः किसान भाइयों को सलाह है कि प्रकोप आर्थिक क्षति से अधिक होने पर मेटासिस्टाक्स 2 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोल बना कर छिड़काव करें तत्पश्चात 15 दिनों के बाद डायमेथियेट 2 मि. ली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें एक एकड़ में 200 लीटर घोल को छिड़काव करें ।
vjgj	• आरहर की फसल इस समय फली बनने की अवस्था में है । फसल का सतत निरीक्षण करते रहें। अतः दिखई देने पर इस कीट के नियंत्रण हेतु ट्राइजोफास 750 मिली दवा 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिडकाव करें।
Qynkj o{k	• नये वगीचों में कीट एवं बीमारियों का प्रबंधन करें।
lfCt;k	• कम तापमान होने की दशा में टमाटर, बैंगन एवं मिर्च में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें ताकि फल तथा सब्जियों की गुणबत्ता खराब न दिखे । • कम तपामान होने की दशा में कद्दू वर्गीय सब्जियों में सिंचाई करें एवं खेत की मेढ़ो पर धुआं करें ।
Ik'kq ,oa eqxhZ ikyu	• हरे चारे की अधिकता में साइलेज बनायें एवं मुर्गियों को न्यूनतम तापमान से बचायें । • मुर्गियों को ठंड के कारण होने वाली कोरीजा विमारी से बचाव हेतु प्रति 100 वर्ग फिट में 300 वॅाट के विद्युत बल्व का प्रयोग करें ।

	• रात्रि का तापमान कम है अतः कम उम्र के पशुओं को रात्रि में ठण्ड से बचाव करें । इस हेतु बोरों के पर्दे लगावें, ताकि ठण्ड से कम उम्र के पशु पक्षियों को बचाया जा सके।

नोडल आफीसर
0761–2681719

दिनांकः 12 जनवरी 2018